

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 18 अगस्त, 2026

जारी करने का समय: 1320 घंटे

विषय: झारखंड और उससे सटे गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल के ऊपर बने डिप्रेषन के असर से, 18 तारीख को उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और झारखंड में, और 18 व 19 तारीख को दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, 18 अगस्त 2026 को ओडिशा और छत्तीसगढ़ में भी कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

आज, 18 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ उत्तराखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल और ओडिशा में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ छत्तीसगढ़, असम और मेघालय, झारखंड, बिहार और उत्तर प्रदेश में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ कोंकण, मध्य महाराष्ट्र, त्रिपुरा, पूर्वी मध्य प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ मानसून गर्त का पश्चिमी छोर अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर में है और पूर्वी छोर समुद्र तल पर अपनी सामान्य स्थिति के निकट है।
- ❖ कल उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर बना निम्न दबाव पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है और झारखंड तथा गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल के उत्तरी भागों पर स्थित है।
- ❖ यह बहुत संभव है कि यह झारखंड और बिहार से होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहेगा और अगले 24 घंटों में एक स्पष्ट निम्न दबाव क्षेत्र में कमजोर हो जाएगा।
- ❖ उत्तरी हरियाणा और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से गुजरात तक निचले क्षोभमंडल स्तर पर एक गर्त फैली हुई है।
- ❖ पंजाब और आसपास के इलाकों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडल स्तर में एक गर्त है जो लगभग 75° पूर्व देशांतर के अनुदिश 30° उत्तर अक्षांश के उत्तर में स्थित है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 18 से 23 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 18 से 22 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; और 18 से 24 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को पंजाब में; 19 और 22 अगस्त को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में; 18-19 और 22 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 18 अगस्त तथा 21-24 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 24 अगस्त को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 23-24 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में भी कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; और 18 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 से 21 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 19 से 21 अगस्त के दौरान हिमाचल प्रदेश में; 20 से 24 अगस्त के दौरान उत्तराखंड में; 18-19 अगस्त के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पंजाब में; 18 अगस्त और 21-22 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 18 से 23 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 21-22 अगस्त के दौरान पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 18 अगस्त को हिमाचल प्रदेश में; 18-19 अगस्त को उत्तराखंड में; और 19-20 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ 18 और 19 अगस्त को दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 18-19 अगस्त और 23-24 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 19-20 अगस्त के दौरान विदर्भ; और 21-22 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 20-22 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश; 18-24 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 18 अगस्त और 21-24 अगस्त के दौरान विदर्भ; और 18-20 अगस्त व 23-24 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18-22 अगस्त के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 18-22 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 20-21 अगस्त और 23 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 18 अगस्त और 21-23 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश; 18-19 अगस्त को विदर्भ; 19 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 22 अगस्त को पश्चिमी मध्य प्रदेश; 19-20 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश; और 18 अगस्त को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 18-24 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल व सिक्किम; 18-19 अगस्त और 23-24 अगस्त के दौरान झारखंड; 18 अगस्त और 21-23 अगस्त के दौरान बिहार; और 18-19 अगस्त व 22-24 अगस्त के दौरान ओडिशा में काफी बड़े इलाके में या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ झारखंड में 20-22 अगस्त; बिहार में 19-20 अगस्त और 24 अगस्त; ओडिशा में 20-21 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं बारिश होने की संभावना है।
- ❖ झारखंड में 18 अगस्त को कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18-20 अगस्त के दौरान; झारखंड में 19 अगस्त को; बिहार में 18-24 अगस्त के दौरान तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ ओडिशा में 18 अगस्त और 22 अगस्त को कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18-22 अगस्त और 24 अगस्त के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 18 अगस्त और 23-24 अगस्त के दौरान; झारखंड में 18-19 अगस्त के दौरान; बिहार में 18-19 अगस्त और 21-23 अगस्त के दौरान; ओडिशा में 22-24 अगस्त के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही ओडिशा में 18 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ झारखंड में 18 अगस्त को कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 22 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; 19 से 24 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में भी भारी बारिश हो सकती है, साथ ही 18 अगस्त को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की भी संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान कोंकण और गोवा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र में और 18 से 19 अगस्त के दौरान मराठवाड़ा में कहीं-कहीं गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 18 से 24 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है; 21 से 22 अगस्त के दौरान केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 18 से 20 अगस्त और 23 से 24 अगस्त के दौरान केरल और माहे तथा लक्षद्वीप में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है; 18 से 24 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक में भी ऐसी ही बारिश हो सकती है।
- ❖ 18 से 20 अगस्त के दौरान उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है। साथ ही, 18 से 20 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; 18 से 22 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में; और 18 से 19 अगस्त के दौरान तेलंगाना में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है) चलने की संभावना है।
- ❖ 19 अगस्त को दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; और 18 से 19 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 से 20 अगस्त के दौरान तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में; और 18 से 22 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा में ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

हवा की चेतावनी:

- ❖ 19 अगस्त की सुबह तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति कभी-कभी 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है; इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी।
- ❖ 18 अगस्त की शाम तक झारखंड और गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल के उत्तरी हिस्सों से सटे इलाकों में, और 19 अगस्त की सुबह तक झारखंड और उससे सटे बिहार-उत्तरी छत्तीसगढ़ में 35-45 किमी/घंटा की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति कभी-कभी 55 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है।

समुद्र की स्थिति:

- ❖ 19 अगस्त की सुबह तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास समुद्र की स्थिति बहुत खराब से खराब रहने की संभावना है; इसके बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- ❖ मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे 19 अगस्त की सुबह तक उत्तरी बंगाल की खाड़ी और पश्चिम बंगाल-बांग्लादेश, ओडिशा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के तटों के पास न जाएं।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

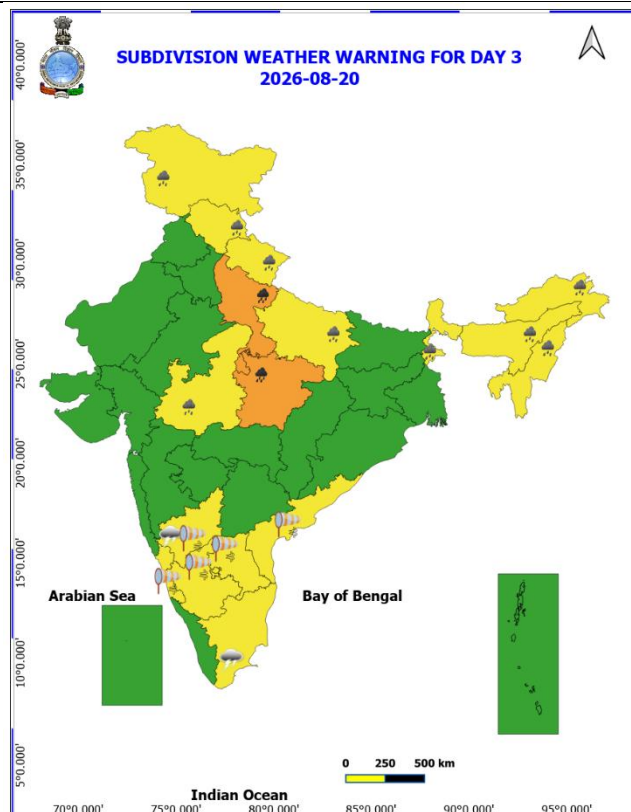
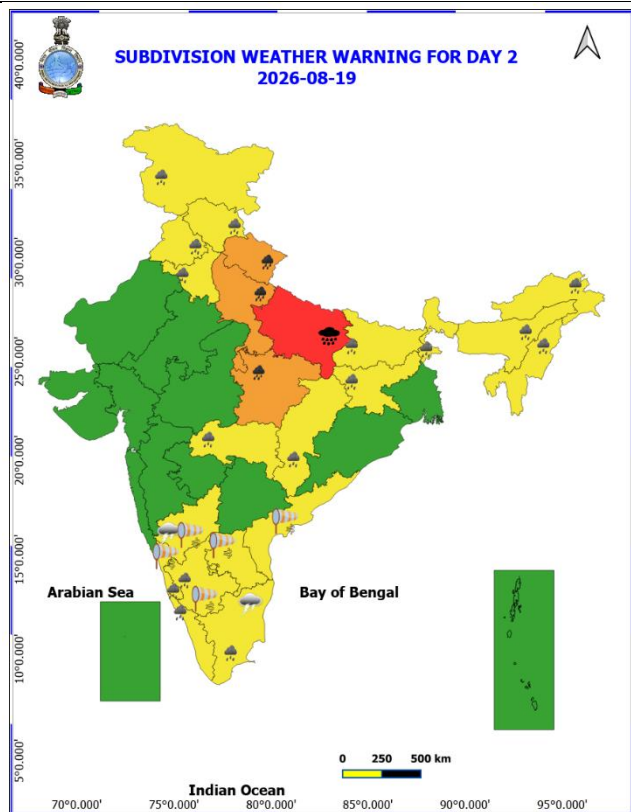
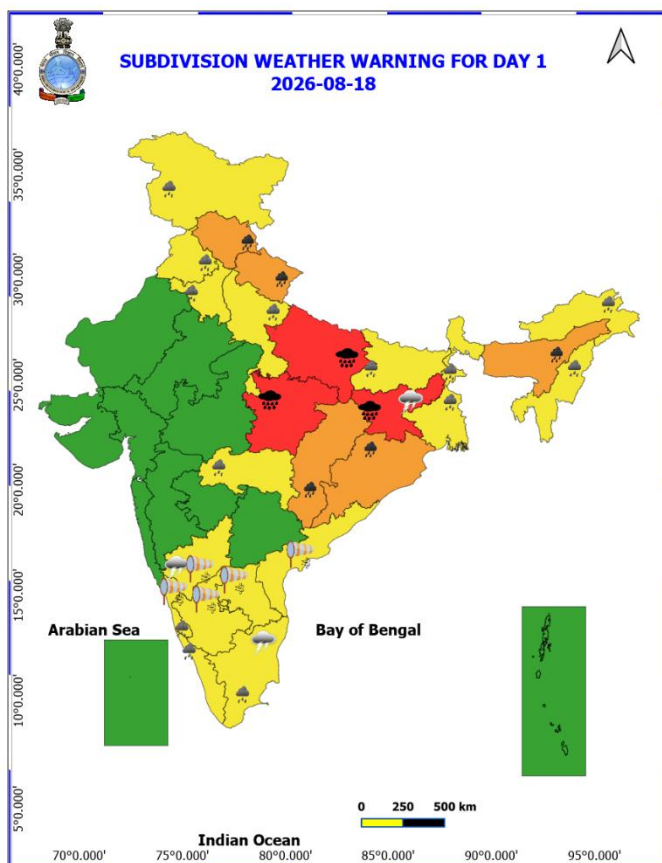
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

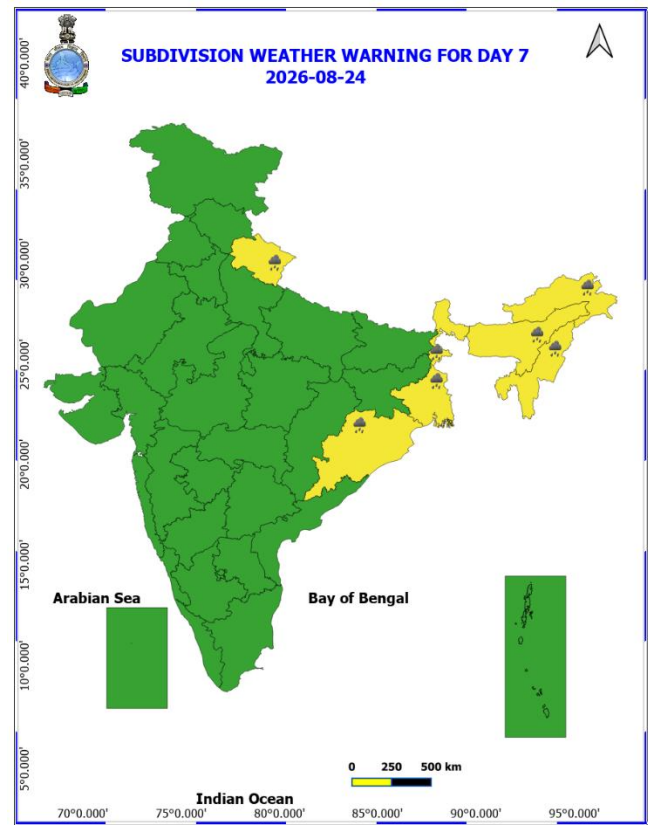
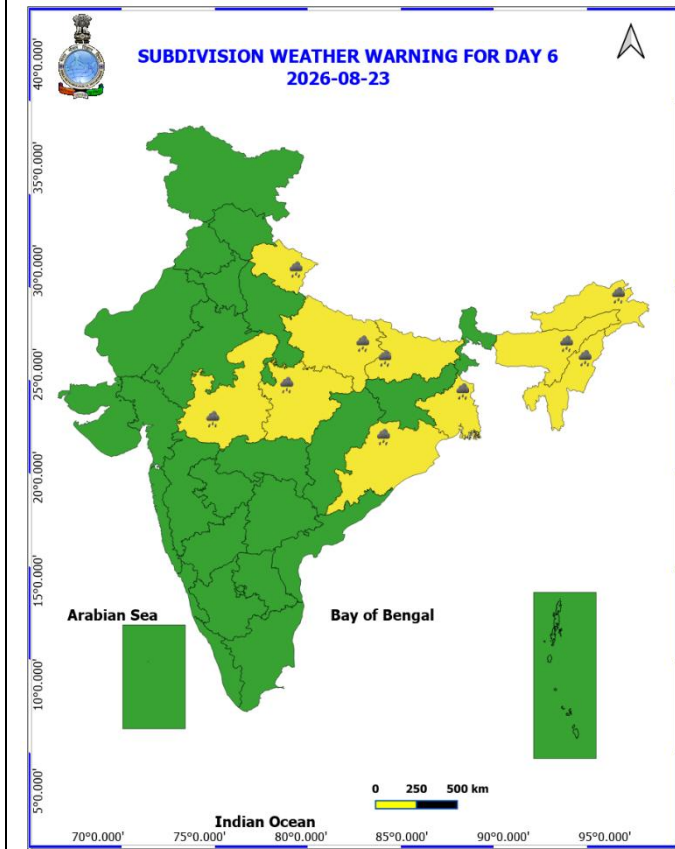
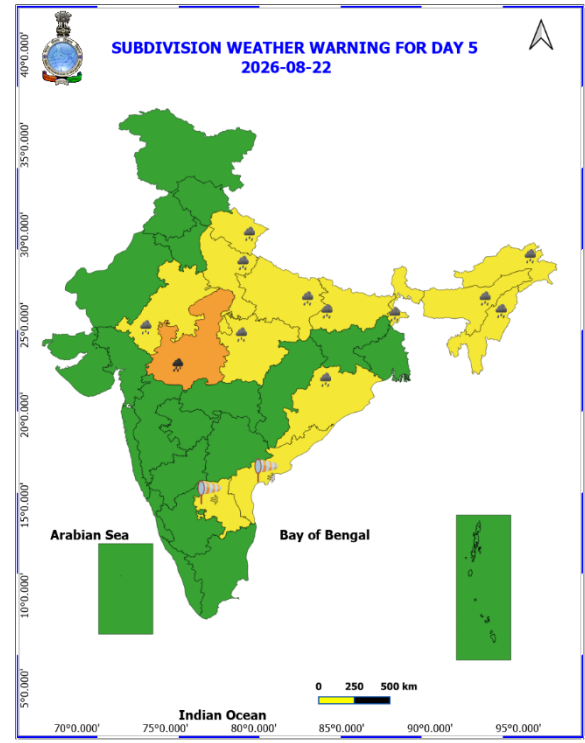
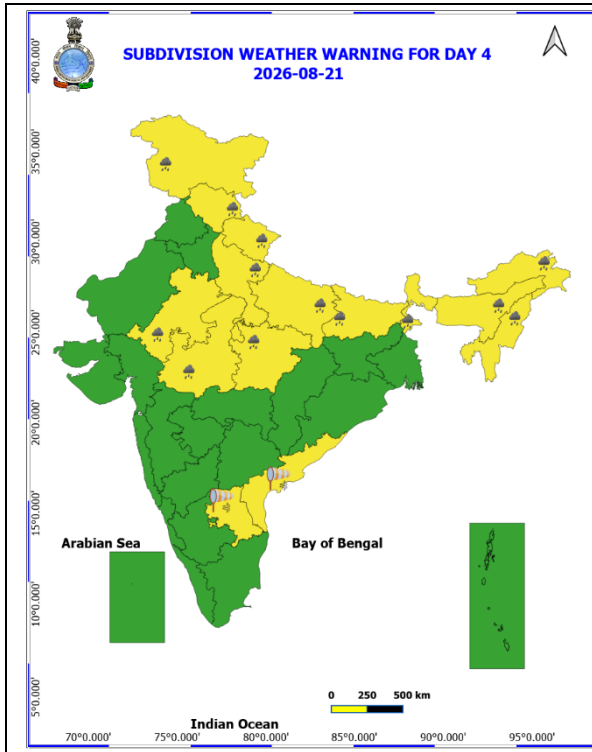
सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- ❖ उत्तराखंड: नरेंद्र नगर 27
- ❖ ओडिशा: बहलदा 27
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: बर्नपुर 22
- ❖ उत्तर प्रदेश: मेजा (प्रयागराज) 19, धामपुर (बिजनौर) 16
- ❖ छत्तीसगढ़: कोरबा 18
- ❖ झारखंड: जामताड़ा 15
- ❖ असम: कोकराझार 14
- ❖ मेघालय: मावकिरवाट (दक्षिण पश्चिम खासी हिल्स ज़िला) 14
- ❖ बिहार: गया 12
- ❖ कोंकण: माथेरान (रायगढ़) 8
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: लवकुशनगर (छतरपुर) 8
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कोठी (जिला कुल्लू) 7
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: तमिनी-मुलशी (पुणे) 7
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: लोंगडिंग(Aws) 9
- ❖ त्रिपुरा: सोनामुरा मोहनभोग (सिपाहिजाला) 7
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कुमारग्राम -7
- ❖ हिमाचल प्रदेश: कोठी (जिला कुल्लू) 7।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Aug	19- Aug	20- Aug	21- Aug	22- Aug	23- Aug	24- Aug
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
9	BIHAR	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	SCT	FWS	WS	WS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	FWS	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL
14	PUNJAB	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	WS	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	WS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	WS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

18 अगस्त से 21 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1°C की बढ़ोतरी हुई है और न्यूनतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान $35-36^{\circ}\text{C}$ और न्यूनतम तापमान $24-28^{\circ}\text{C}$ के बीच रहा। कुछ जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आम तौर पर बादल छाए रहे और ज़मीन के पास पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा की रफ़्तार से हवा चली। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से हवा चलने और आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

18.08.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान $34-36^{\circ}\text{C}$ के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा, जबकि कुछ जगहों पर यह सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की रफ़्तार से हवा चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

19.08.2026: आम तौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम से रात के बीच फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पूर्वी हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 12 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा उत्तर-पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी।

20.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। शाम से रात के बीच भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा पूर्व दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर 20 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा दक्षिण दिशा से चलेगी।

21.08.2026: आम तौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 32°C से 34°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। सुबह के समय ज़मीन के पास हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी रफ़्तार 15 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय हवा की रफ़्तार कम होकर 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह उत्तर दिशा से चलेगी। शाम और रात के समय हवा की रफ़्तार बढ़कर 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी और यह दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 18 अगस्त को पूर्वी मध्य प्रदेश और झारखंड में, और 18 व 19 अगस्त को दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 18 अगस्त को बिहार में मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- ❖ पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- ❖ तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- ❖ हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- ❖ छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- ❖ भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- ❖ निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- ❖ लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- ❖ सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- ❖ बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- ❖ पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- ❖ तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- ❖ हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- ❖ ओडिशा में, खरीफ़ धान, मक्का, दालों, कपास, अरहर, केला, सब्जियों के खेतों और नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकाल दें। खेतों की नालियों, आउटलेट और मेड़ों को साफ़ और चालू रखें। पानी जमा होने वाले इलाकों में मक्का और मूंग की बुवाई/दोबारा बुवाई टाल दें और बाजरे के खेतों में पानी जमा न होने दें। सब्जियों, केले, पपीते और बागवानी के छोटे पौधों को सहारा दें। टमाटर, मिर्च और बैंगन की नर्सरी को पॉलीथीन शीट से बचाएं और पानी भरे खेतों में धान और बागवानी फसलों की रोपाई तब तक टाल दें जब तक मिट्टी की स्थिति ठीक न हो जाए।
- ❖ पश्चिम बंगाल में, अमन धान, जूट, धान की नर्सरी और सब्जियों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकाल दें और निचले इलाकों से भी अतिरिक्त पानी हटा दें। जल निकासी के रास्तों को साफ़ रखें और बाढ़ से बचाने के लिए धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ें मज़बूत करें। बारिश के दौरान खाद और कीटनाशक न डालें और जहां खेत की स्थिति ठीक हो, वहां तैयार जूट, चाय की पतियां और सब्जियां काट लें; उपज को सुरक्षित और सूखी जगह पर रखें।
- ❖ झारखंड में, मक्का, अरहर और अन्य खड़ी फसलों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। जिन इलाकों में अरहर की बुवाई अभी पूरी नहीं हुई है, वहां मिट्टी की स्थिति ठीक होने तक बुवाई टाल दें। गीली स्थिति में खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन, उड़द, मूंग, तिल, अन्य खड़ी फसलों और सब्जियों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। खेतों की नालियां साफ़ करें और अतिरिक्त पानी को जल्दी निकालने के लिए अस्थायी जल निकासी रास्ते बनाएं।

- ❖ उत्तर प्रदेश में, धान, अरहर, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों, खासकर निचले इलाकों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए लगातार और प्रभावी जल निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ उत्तराखंड में, धान, सोयाबीन, मक्का, अरहर, अदरक, लहसुन, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), मडुआ (फिंगर मिलेट), टमाटर और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में सही और प्रभावी जल निकासी बनाए रखें। मूंगफली, सोयाबीन और मक्का की बुवाई तब तक टाल दें जब तक स्थिति ठीक न हो जाए। तैयार टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और उपज को सुरक्षित, सूखी जगह पर रखें।
- ❖ हिमाचल प्रदेश में, अदरक और हल्दी के खेतों में जल निकासी के रास्तों को साफ और चालू रखें और मक्का के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकालने की व्यवस्था करें। जहां खेत की स्थिति ठीक हो, वहां तैयार खीरा, लौकी, करेला, चिचिंडा, तोरई और नेनुआ (स्पंज गॉर्ड) की कटाई करें। □ छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूंगफली, छोटे मोटे अनाज (मिलेट्स), दालों और दूसरी खड़ी फसलों के खेतों से पानी की लगातार और असरदार निकासी सुनिश्चित करें। करेला, लौकी और कद्दू-वर्गीय (कुकुरबिट्स) जैसी बेल वाली सब्जियों को सहारा (स्टेकिंग) दें। निचले इलाकों में धान की नई रोपाई को कुछ समय के लिए टाल दें।
- ❖ बिहार में, धान, मक्का, दालों और दूसरी खड़ी फसलों के खेतों से बारिश का अतिरिक्त पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें और गीले मौसम में खाद और कीटनाशक न डालें। धान की रोपाई और केले व जिमीकंद (yam) की बुवाई तभी जारी रखें जब खेत की हालत इसके अनुकूल हो।
- ❖ जम्मू-कश्मीर में, दालों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा न होने दें और कद्दू-वर्गीय पौधों को सही सहारा दें। मक्के के खेतों में, खासकर भारी बारिश के बाद, पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- ❖ पंजाब में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें। खेत का काम तभी दोबारा शुरू करें जब मिट्टी की हालत सही हो जाए।
- ❖ हरियाणा में, खड़ी फसलों वाले खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। बारिश के दौरान सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम न करें और पानी की निकासी वाली नालियों को साफ रखें।
- ❖ असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्जियों के खेतों व बागों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें। निचले खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और गन्ने के खेतों में पानी जमा न होने दें। मेघालय में, मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में पानी की निकासी सुनिश्चित करें और अतिरिक्त पानी निकाल दें।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में, जल-जमाव से बचने के लिए मक्का, रागी (फिंगर मिलेट), सोयाबीन, लोबिया, सब्जियों के खेतों और बागों में पानी की सही निकासी बनाए रखें।
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और पानी जमा न होने दें। गीले मौसम में खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम टाल दें और जहाँ ज़रूरत हो, कमज़ोर फसलों को सहारा दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

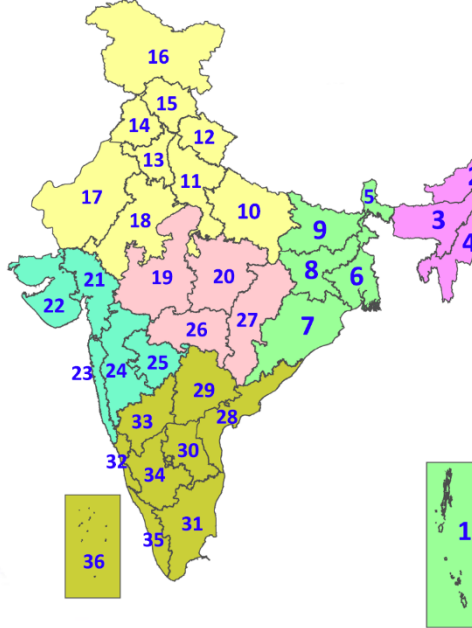
- ❖ काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- ❖ बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्जियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- ❖ भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- ❖ चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- ❖ तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1 \text{ km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)